हिंदी कार्यशाला का आयोजन - रिपोर्ट

एनएचपीसी में राजभाषा नीति का अनुपालन सुनिश्चित करने और राजभाषा हिंदी का प्रयोग बढ़ाने के लिए सभी संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के तहत 23 अप्रैल 2026 को एसबीडी एंड सी तथा आरई एंड जीएच विभाग के सभी कार्मिकों हेतु एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का आरंभ करते हुए श्री संजीव कुमार, महाप्रबंधक (जनसंपर्क)-राजभाषा ने कार्यक्रम के अध्यक्ष श्री नवीन कुमार जैन, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन), एसबीडी एंड सी तथा आरई एंड जीएच विभाग के कार्यपालक निदेशक श्री अभयानन्द ठाकुर, अतिथि वक्ता श्री केवल कृष्ण, वरिष्ठ तकनीकी निदेशक (सेवानिवृत), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार तथा सभी उपस्थित प्रतिभागियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए श्री नवीन कुमार जैन, कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) ने कहा कि राजभाषा हिंदी को बढ़ावा देने के लिए निगम द्वारा सभी स्तर के कार्मिकों के लिए नियमित रूप से हिंदी कार्यशालाएं आयोजित की जाती हैं। इसी अनुक्रम में निगम मुख्यालय के एसबीडी एंड सी तथा आरई एंड जीएच विभाग के कार्मिकों के लिए विशेष हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदी में काम करना हमारा नैतिक एवं संवैधानिक दायित्व है और इस कार्यशाला को संवादात्मक सत्र बनाने का आग्रह करते हुए बताया कि अतिथि वक्ता द्वारा प्रदान की जाने वाली जानकारी का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

श्री अभयानन्द ठाकुर, कार्यपालक निदेशक, एसबीडी एंड सी तथा आरई एंड जीएच विभाग ने बताया कि निगम के अन्य कार्यकलापों के साथ राजभाषा हिंदी में कार्य करना हमारा ई-उत्तदायित्व तथा संवैधानिक अपेक्षा भी है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि निगम में राजभाषा की स्थिति बहुत की सुदृढ है तथा उनका विभाग भी इस ओर निरंतर अग्रसर है। साथ ही, उन्होंने एसबीडी एंड सी तथा आरई एंड जीएच विभाग के कार्मिकों के लिए हिंदी कार्यशाला के आयोजन के लिए राजभाषा विभाग का आभार व्यक्त किया ।

कार्यशाला के अतिथि वक्ता श्री केवल कृष्ण ने प्रतिभागियों को राजभाषा हिंदी में उपलब्ध आधुनिक ई-टूल्स के अनुप्रयोग, कम्प्युटर में हिंदी अनुवाद, हिंदी टंकण, हिंदी में अधुनातन सॉफटवेयर के माध्यम से अनुवाद के विभिन्न व्यावहारिक पक्षों के बारे में विस्तार से बताया। इसके अतिरिक्त उन्होंने भारत सरकार द्वारा विकसित अनुवाद टूल्स के माध्यम से उपस्थित प्रतिभागियों को अभ्यास भी कराया, जिसकी सभी प्रतिभागियों ने प्रशंसा की।

कार्यक्रम के दूसरे सत्र में डॉ देवेंद्र तिवारी, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने भाषा के विविध आयाम एवं राजभाषा कार्यान्वयन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। सभी प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में रुचिपूर्वक भाग लिया तथा कार्यशाला के माध्यम से दी गई जानकारी को अत्यंत ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।

एन एच पी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का एक नवरत्न उद्यम)

एन एच पी सी लिमिटेड
(भारत सरकार का एक नवरत्न उद्यम)

एनएचपीसी
NHPC
एक नवरत्न कंपनी
एनएचपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का एक नवरत्न उद्यम)
Great Place To Work. Certified

एनएचपीसी लिमिटेड
(भारत सरकार का एक नवरत्न उद्यम)
एसबीडी & सी तथा आरई & जीएच विभाग के कार्मिकों के लिए
हिंदी कार्यशाला
दिनांक : 23 अप्रैल, 2026

वॉयस टाइपिंग विकल्प
1 (In built Solution)
earch में : Settings >> Privacy & Security >> Speech >> Enable
ign +H (For Voice Enable)
हिंदी सेलेक्ट है तो किसी भी एप्लीकेशन में वॉयस टाइपिंग
ंग्रेजी सेलेक्ट है तो किसी भी एप्लीकेशन में वॉयस टाइपिंग

हिंदी कार्यशाला

राजभाषा विभाग, निगम मुख्यालय, फरीदाबाद